VIII मुद्रा प्रबंधन

वर्ष 2025-26 के दौरान, रिज़र्व बैंक ने संचलन में स्वच्छ बैंकनोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, देश में मुद्रा प्रबंधन की आधारभूत संरचना के उन्नयन हेतु अपने प्रयासों को जारी रखा। मुद्रा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं में नवाचार लाने तथा सुरक्षा विशेषताओं के स्वदेशीकरण हेतु अनुसंधान और विकास की दिशा में प्रयास आरंभ किए गए।

VIII.1 अपनी स्वच्छ नोट नीति के अनुपालन में, रिज़र्व बैंक अर्थव्यवस्था की नकदी मांग को पूरा करने के लिए स्वच्छ बैंकनोटों और सिक्कों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहा। रिज़र्व बैंक ने देश में मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना को आधुनिक बनाने की योजना को आगे बढ़ाया। साथ ही, नीतियों को सटीक रुप से समायोजित के लिए इनपुट एकत्रित करने हेतु घरेलू भुगतान व्यवहार का आकलन करने पर एक सर्वेक्षण भी किया गया।

VIII.2 इस पृष्ठभूमि में, इस अध्याय के शेष भाग को पाँच खंडों में विभाजित किया गया है। खंड 2 में वर्ष 2025-26 के कार्यसूची के कार्यान्वयन की स्थिति का विवरण दिया गया है, जिसके पश्चात खंड 3 में वर्ष के दौरान संचलनगत मुद्रा से संबंधित महत्वपूर्ण घटनाक्रम और की गई अन्य पहलों का वर्णन किया गया है। खंड 4 में रिज़र्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी संस्था, भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल) से संबंधित घटनाक्रम का विवरण दिया गया है। खंड 5 में मुद्रा प्रबंध विभाग की वर्ष 2026-27 की कार्यसूची, जबकि खंड 6 में निष्कर्ष दिए गए हैं।

2. 2025-26 की कार्यसूची

VIII.3 विभाग ने 2025-26 के लिए निम्नलिखित लक्ष्य निर्धारित किए थे:

- मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना के आधुनिकीकरण परियोजना को आगे बढ़ाना (पैराग्राफ VIII.4);
- नए/उन्नत सुरक्षा विशेषताओं को लागू करके भारतीय बैंकनोटों की एकनिष्ठता को सुदृढ़ करना (पैराग्राफ VIII.5);
- नए श्रेडिंग एवं ब्रिकेटिंग प्रणालियों (एसबीएस) का संस्थापन एवं परिचालन आरंभ करना (पैराग्राफ VIII.6);
- बैंकनोटों के प्रसंस्करण के लिए क्षमता संवर्धन (पैराग्राफ VIII.7); तथा
- सर्वेक्षण के माध्यम से जनता के भुगतान व्यवहार को समझना (पैराग्राफ VIII.8)।

कार्यान्वयन की स्थिति

VIII.4 देश के मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना के लिए उपयुक्त संरचना तैयार करने हेतु रिज़र्व बैंक ने हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया।

VIII.5 बैंकनोटों में नई सुरक्षा विशेषताओं को शामिल करने की प्रक्रिया में काफी प्रगति हुई है। नई/उन्नत सुरक्षा विशेषताओं वाले बैंकनोटों का चरणबद्ध तरीके से परिचालन वर्ष 2026 के मध्य से शुरू होने की संभावना है।

VIII.6 रिज़र्व बैंक के निर्गम कार्यालयों में बैंकनोट प्रसंस्करण ढांचे का उन्नयन नई एसबीएस मशीनों के संस्थापन के साथ जारी रहा।

VIII.7 नई मुद्रा सत्यापन और प्रसंस्करण प्रणालियों (सीवीपीएस) की खरीद के साथ नकदी प्रसंस्करण अवसंरचना के विस्तार का कार्य प्रगति पर है।

VIII.8 नकदी और डिजिटल भुगतान माध्यम के उपयोग और वरीयता को समझने के लिए, व्यक्तियों और छोटे खुदरा विक्रेताओं के बीच परिवारों के भुगतान व्यवहार पर एक सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के परिणामों से नकदी के उपयोग के लिए निरंतर सुदृढ़ वरीयता का संकेत मिला है।

3. संचलनगत मुद्रा से जुड़ी गतिविधियां

बैंकनोट

VIII.9 वर्ष 2025-26 के दौरान संचलनगत बैंकनोटों के मूल्य और मात्रा में क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 10.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई (सारणी VIII.1)। मात्रा की दृष्टि से, परिचालन में कुल बैंकनोटों में ₹500 के मूल्यवर्ग का हिस्सा सर्वाधिक रहा, जिसके पश्चात ₹10 के मूल्यवर्ग के बैंकनोटों का स्थान रहा।

₹2000 मूल्यवर्ग के बैंकनोटों को संचलन से वापस लेना

VIII.10 19 मई, 2023 की प्रेस विज्ञप्ति के तहत शुरू की गई संचलन से ₹2000 के बैंकनोटों की वापस लिए जाने की प्रक्रिया वर्ष भर जारी रही। घोषणा के समय संचलन में मौजूद 3.56 लाख करोड़ रुपये में से 98.45 प्रतिशत राशि 31 मार्च, 2026 तक वापस आ गई है। वर्तमान में ₹2000 के बैंकनोटों के विनिमय और जमा की सुविधा रिज़र्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों[1] में उपलब्ध है। भारत में बैंक खातों में जमा

सारणी VIII.1: संचलनगत बैंकनोट (मार्च के अंत में)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (लाख में)			मूल्य (₹ करोड़)		
	2024	2025	2026	2024	2025	2026
1	2	3	4	5	6	7
2 और 5	1,10,547	1,10,352	1,10,220	4,249	4,239	4,232
	(7.5)	(7.1)	(6.4)	(0.1)	(0.1)	(0.1)
10	2,49,506	2,53,590	2,75,652	24,951	25,359	27,565
	(17.0)	(16.4)	(16.1)	(0.7)	(0.7)	(0.7)
20	1,33,973	1,38,398	1,40,527	26,795	27,680	28,105
	(9.1)	(8.9)	(8.2)	(0.8)	(0.8)	(0.7)
50	89,783	98,959	1,08,240	44,892	49,480	54,120
	(6.1)	(6.4)	(6.3)	(1.3)	(1.3)	(1.3)
100	2,05,656	2,27,891	2,68,574	2,05,656	2,27,891	2,68,573
	(14.0)	(14.7)	(15.7)	(5.9)	(6.2)	(6.5)
200	77,108	86,754	1,04,245	1,54,215	1,73,509	2,08,491
	(5.2)	(5.6)	(6.1)	(4.4)	(4.7)	(5.1)
500	6,01,770	6,34,458	7,05,482	30,08,847	31,72,287	35,27,408
	(41.0)	(40.9)	(41.2)	(86.5)	(86.0)	(85.5)
2000	410	318	275	8,202	6,366	5,501
	(0.03)	(0.02)	(0.02)	(0.2)	(0.2)	(0.1)
कुल	**14,68,754**	**15,50,720**	**17,13,215**	**34,77,805**	**36,86,811**	**41,23,995**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

[1] अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंदीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम।

हेतु ₹2000 के बैंकनोटों को देश के किसी भी डाकघर से भी भारतीय डाक के माध्यम से रिज़र्व बैंक के किसी भी 19 निर्गम कार्यालयों को भेजा जा सकता है।

सिक्के

VIII.11 वर्ष 2025-26 के दौरान, संचलनगत सिक्कों में कुल मूल्य और मात्रा में क्रमशः 11.4 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VIII.2)। 31 मार्च, 2026 की स्थिति के अनुसार, 1 रुपया 2 रुपया और 5 रुपया के सिक्कों का संचलन में कुल सिक्कों की मात्रा का 80.7 प्रतिशत हिस्सा रहा, जबकि मूल्य की दृष्टि से इन मूल्यवर्गों का हिस्सा 60.2 प्रतिशत रहा।

संचलनगत e₹

VIII.12 31 मार्च, 2026 को संचलन में e₹ का मूल्य 771.7 करोड़ रुपये रहा, जबकि 31 मार्च, 2025 को यह 1,016.5 करोड़ रुपये था।

मुद्रा प्रबंधन अवसंरचना

VIII.13 मुद्रा (अर्थात बैंकनोट और सिक्के) के निर्गम और उनके प्रबंधन से संबंधित कार्य भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा देश भर में स्थित अपने 19 निर्गम कार्यालयों, 2,599 करेंसी चेस्ट और 2,119 लघु सिक्का डिपो के माध्यम से निष्पादित किए जाते हैं। 31 मार्च, 2026 की स्थिति के अनुसार, करेंसी चेस्ट की सबसे अधिक हिस्सेदारी भारतीय स्टेट बैंक की थी (सारणी VIII.3)।

मुद्रा की मांग और आपूर्ति

VIII.14 वर्ष 2025-26 में बैंकनोटों की माँग 2024-25 की तुलना में कम थी, जबकि 2025-26 में सिक्कों की मांग पिछले वर्ष की तुलना में अधिक थी (सारणी VIII.4 और VIII.5)। प्रिंटिंग प्रेसों ने उनके पास भेजे गए माँग के अनुसार बैंकनोटों की आपूर्ति की।

सारणी VIII.2: संचलनगत सिक्के (मार्च के अंत में)

मूल्यवर्ग (₹)	मात्रा (लाख में)			मूल्य (₹ करोड़)		
	2024	2025	2026	2024	2025	2026
1	2	3	4	5	6	7
50 पैसे	1,47,880	1,47,880	1,47,880	739	739	739
	(11.2)	(10.8)	(10.3)	(2.2)	(2.0)	(1.8)
1	5,29,934	5,38,720	5,49,855	5,299	5,387	5,499
	(40.0)	(39.3)	(38.4)	(15.9)	(14.7)	(13.5)
2	3,55,929	3,64,605	3,75,287	7,119	7,292	7,506
	(26.9)	(26.6)	(26.2)	(21.3)	(19.9)	(18.4)
5	2,05,471	2,16,198	2,31,658	10,274	10,810	11,583
	(15.5)	(15.8)	(16.2)	(30.8)	(29.5)	(28.4)
10	68,637	83,636	1,01,542	6,864	8,364	10,154
	(5.2)	(6.1)	(7.1)	(20.6)	(22.9)	(24.9)
20	15,667	20,180	26,667	3,133	4,036	5,333
	(1.2)	(1.5)	(1.9)	(9.4)	(11.0)	(13.1)
कुल	**13,23,518**	**13,71,218**	**14,32,889**	**33,428**	**36,628**	**40,814**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.3: करेंसी चेस्ट और छोटे सिक्कों का डिपो (मार्च 2026 के अंत तक)

श्रेणी	करेंसी चेस्ट की संख्या	छोटे सिक्कों के डिपो की संख्या
1	2	3
भारतीय स्टेट बैंक	1,298	1,073
राष्ट्रीयकृत बैंक	1,053	834
निजी क्षेत्र के बैंक	229	196
सहकारी बैंक	5	5
विदेशी बैंक	5	3
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	8	7
भारतीय रिज़र्व बैंक	1	1
कुल	**2,599**	**2,119**

स्रोत: आरबीआई।

गंदे बैंकनोटों का निपटान

VIII.15 रिज़र्व बैंक के निर्गम कार्यालयों में श्रेडिंग एवं ब्रिकेटिंग प्रणालियों (एसबीएस) के संस्थापन से उत्पन्न अस्थायी व्यवधानों के कारण 2025-26 के दौरान गंदे बैंकनोटों का निस्तारण पिछले वर्ष की तुलना में कम रहा (सारणी VIII.6)।

सारणी VIII.4: बैंकनोटों की मांग और बीआरबीएनएमपीएल और एसपीएमसीआईएल द्वारा आपूर्ति (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2023-24		2024-25		2025-26	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
5	-	-	-	-	-	-
10	8,000	8,000	18,000	18,000	46,000	46,000
20	20,000	20,000	15,000	15,000	20,000	20,000
50	25,000	25,000	30,000	30,000	20,000	20,000
100	70,000	70,000	80,000	80,000	70,000	70,000
200	30,000	30,000	40,000	40,000	15,000	15,000
500	90,000	90,000	1,20,000	1,20,000	1,10,000	1,10,000
2000	-	-	-	-	-	-
कुल	**2,43,000**	**2,43,000**	**3,03,000**	**3,03,000**	**2,81,000**	**2,81,000**

-: शून्य।
बीआरबीएनएमपीएल: भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड।
एसपीएमसीआईएल: भारत प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड।
टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.5: सिक्कों की मांग और टकसालों द्वारा आपूर्ति (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2023-24		2024-25		2025-26	
	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति	मांग	आपूर्ति
1	2	3	4	5	6	7
1	3,000	3,058	1,000	1,000	1,000	1,000
2	3,000	3,000	1,000	1,000	1,000	1,000
5	3,000	3,000	8,000	8,000	8,000	8,000
10	1,000	1,000	1,000	1,000	6,000	6,000
20	2,000	1,999	4,000	4,000	5,000	5,000
कुल	**12,000**	**12,056**	**15,000**	**15,000**	**21,000**	**21,000**

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

जाली नोट

VIII.16 वर्ष 2025-26 के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र में जब्त किए गए कुल जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) में से 2.4 प्रतिशत नोट रिज़र्व बैंक में जब्त किए गए (सारणी VIII.7)।

VIII.17 वर्ष 2025-26 के दौरान ₹10, ₹50, ₹100, ₹200 और ₹2000 के मूल्यवर्गों में जब्त किए गए जाली नोटों की संख्या में कमी आई, जबकि ₹20 और ₹500 के मूल्यवर्गों

सारणी VIII.6: गंदे बैंकनोटों का निपटान (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या लाख में)

मूल्यवर्ग (₹)	2023-24	2024-25	2025-26
1	2	3	4
2000	18,458	2,211	47
1000	4	-	-
500	63,320	89,855	59,831
200	13,594	24,756	16,056
100	60,217	58,334	58,114
50	19,095	25,720	15,690
20	13,971	16,503	9,892
10	23,461	20,799	10,412
5 तक	370	384	195
कुल	**2,12,493**	**2,38,563**	**1,70,237**

-: शून्य।
टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
स्रोत: आरबीआई।

सारणी VIII.7: जब्त किए गए जाली नोटों की संख्या (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या)

वर्ष	2023-24	2024-25	2025-26
1	2	3	4
रिज़र्व बैंक में जब्त किए गए	17,613 (7.9)	10,255 (4.7)	5,412 (2.4)
अन्य बैंकों में जब्त किए गए	2,05,026 (92.1)	2,07,141 (95.3)	2,24,334 (97.6)
कुल	**2,22,639**	**2,17,396**	**2,29,746**

टिप्पणी: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े कुल मात्रा/मूल्य में प्रतिशत भाग दर्शाते हैं।
2. इस डेटा में पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा जब्त किए गए जाली नोट शामिल नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई।

में जब्त किए गए जाली नोटों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में क्रमशः 47.4 प्रतिशत और 20.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सारणी VIII.8)

सुरक्षा विशेषताओं के मुद्रण में व्यय

VIII.18 वर्ष 2025-26 के दौरान सुरक्षा विशेषताओ के मुद्रण पर ₹4,875.2 करोड़ का व्यय हुआ, जो पिछले वर्ष के ₹6,372.8 करोड़ की तुलना में कम है; इसमें कमी मुख्यतः

सारणी VIII.8: बैंकिंग प्रणाली में पकड़े गए जाली नोट- मूल्यवर्ग के अनुसार (अप्रैल-मार्च)

(नोटों की संख्या)

मूल्यवर्ग (₹)	2023-24	2024-25	2025-26
1	2	3	4
2 और 5	1	3	0
10	235	159	133
20	297	253	373
50	15,366	12,015	10,274
100	66,310	51,069	45,621
200	28,672	32,660	30,591
500 (निर्दिष्ट बैंकनोट)	11	5	15
500	85,711	1,17,722	1,41,907
1000 (निर्दिष्ट बैंकनोट)	1	2	8
2000	26,035	3,508	824
कुल	**2,22,639**	**2,17,396**	**2,29,746**

स्रोत: आरबीआई।

वर्ष 2025-26 के दौरान बैंकनोटों के मांग में कमी के कारण हुई।

अन्य पहल

भारतीय मुद्रा माइक्रोसाइट की शुरूआत

VIII.19 भारतीय मुद्रा माइक्रोसाइट (https://indiancurrency.rbi.org.in) की शुरूआत 10 सितंबर, 2025 को की गई, जिसने पूर्व की 'पैसा बोलता है' माइक्रोसाइट का स्थान लिया है। यह माइक्रोसाइट बैंकनोटों संबंधी जानकारी तक पहुंच प्रदान करने वाला एक मंच है, जिसमें बैंकनोटों के 360-डिग्री दृश्य के माध्यम से डिजाइन और सुरक्षा विशेषताओं का विवरण, मल्टीमीडिया (वीडियो, ऑडियो और एनिमेशन) और इंटरैक्टिव गेम्स सरल और कुशल नेविगेशन के साथ उपलब्ध हैं। इस माइक्रोसाइट में बैंकनोटों के विनिमय से संबंधित जानकारी के लिए एक समर्पित खंड भी है।

नागरिक चार्टर के तहत सेवाओं का संशोधन

VIII.20 डाक कवरों के माध्यम से प्राप्त नोटों के विनिमय, ट्रिपल लॉक रिसेप्टेकल्स (टीएलआर) और सामान्य रखरखाव में नहीं बने रहने वाले नोटों से संबंधित सेवाओं को अब नागरिक चार्टर के दायरे में लाया गया है, ताकि आम जनता को प्रदान की जाने वाली सेवाओं में दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

सिक्कों, मोबाइल एडेड नोट इडेंटिफियर (एमएएनआई) और गंदे बैंकनोटों के लिए विनिमय सुविधा के संबंध में भ्रामक सूचनाओं के बारे में जागरूकता अभियान

VIII.21 सिक्कों के संबंध में फैली भ्रांति को दूर करने के लिए प्रिंट, डिजिटल और सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर जागरूकता अभियान चलाए गए, जिसके परिणामस्वरूप जनता के बीच सिक्कों की स्वीकार्यता में काफी वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त, गंदे नोटों के लिए विनिमय सुविधा के बारे में जागरूकता फैलाने हेतु भी मीडिया अभियान चलाए गए।

बैंकनोटों के उन्नत सुरक्षा और स्वच्छता मानदंड

VIII.22 एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल उपचार, जो हमारे बैंकनोट पेपर मिल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित

किए गए हैं, को कागज निर्माण प्रक्रिया में एकीकृत किया गया है। इसके परिणामस्वरूप भारतीय बैंकनोटों की सुरक्षा और स्वच्छता मानकों में और अधिक सुधार हुआ है।

4. भारतीय रिज़र्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड (बीआरबीएनएमपीएल)

VIII.23 बीआरबीएनएमपीएल बैंकनोटों के डिजाइन, मुद्रण और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वर्ष के दौरान, बीआरबीएनएमपीएल के मैसूरु मुद्रण प्रेस में वार्निश किए गए नोटों के प्रिंट ट्रायल किए गए। मुद्रा अनुसंधान एवं विकास केंद्र (सीआरडीसी), जो बीआरबीएनएमपीएल के संरक्षण में कार्य करता है, ने बैंकनोटों में अनुसंधान और विकास (आर-एंड-डी) के क्षेत्रों में अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग करने के प्रयास शुरू किए हैं।

5 वर्ष 2026-27 की कार्यसूची

VIII.24 वर्ष के दौरान, विभाग द्वारा निम्नलिखित कार्यो पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा:

- नई/उन्नत सुरक्षा विशेषताओं को शामिल करके भारतीय बैंकनोटों की एकनिष्ठता को सुदृढ़ करना;
- बैंकनोटों के स्थायित्व को बढ़ाने के लिए सबस्ट्रेट में सुधार करना;
- बैंकनोटों के प्रसंस्करण की क्षमता में वृद्धि करना; और
- मौजूदा निर्गम कार्यालयों में सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों को जारी रखते हुए और दो नए निर्गम कार्यालयों की शुरुआत करना।

6. निष्कर्ष

VIII.25 वर्ष 2025-26 के दौरान, रिज़र्व बैंक ने जनता के लिए स्वच्छ मुद्रा की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखा, इसके अंतर्गत बैंकनोट वितरण की दक्षता में सुधार करने तथा बैंकनोटों और सिक्कों की प्रामाणिकता, सुरक्षा और उनके उचित रखरखाव के संबंध में जन-जागरूकता को और अधिक गहन करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। भविष्य में, संपूर्ण क्षेत्र में स्वदेशीकरण के माध्यम से बैंकनोट उत्पादन में आत्मनिर्भरता बनाए रखना, बैंकनोट डिज़ाइन की कार्यात्मक अवधि, सुरक्षा और अखंडता को बढ़ाना, तथा संचलन में मौजूद बैंकनोटों की गुणवत्ता में सुधार करना, प्राथमिकता के क्षेत्र बने रहेंगे।